

शहीद दविस

30 जनवरी, 2023 को भारत उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये शहीद दविस के रूप में मनाता है, जिन्होंने देश के लिये बलदान दिया। इस दिन को देश के 'बापू', महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के रूप में भी चिह्नित किया गया है।

- भारत में शहीद दविस या सर्वोदय दविस वर्ष में कई बार मनाया जाता है।

शहीद दविस:

समृति में:

- महात्मा गांधी जिनका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को हुआ था, भारत के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे तथा उन्होंने देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- इसी दिन वर्ष 1948 में नाथूराम गोडसे ने नई दिल्ली के बडिला हाउस में महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी।

जश्न मनाने का माध्यम:

- भारत ने दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर शहीद दविस मनाया।
- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और तीनों सेना प्रमुख (सेना, वायु सेना और नौसेना) 'राष्ट्रपति' को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

महत्त्व:

- शहीद दविस का महत्त्व इस तथ्य में निहित है कि महात्मा गांधी ने अहसिक दृष्टिकोण के माध्यम से ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रमुख आंदोलनों का नेतृत्व किया।
- उनका दर्शन अहसि, सत्य के लिये लड़ाई (सत्याग्रह), राजनीतिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता (स्वराज) के सिद्धांतों पर आधारित था तथा उनके सिद्धांतों ने लाखों लोगों को प्रेरित किया।

भारत में अन्य शहीद दविस:

दविस	परिचय
23 मार्च	<ul style="list-style-type: none"> इस दिन भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर को लाहौर जेल में अंगरेजों ने फाँसी पर लटका दिया था।
19 मई	<ul style="list-style-type: none"> यह असम में 19 मई, 1961 को राज्य पुलिस द्वारा मारे गए लोगों की याद में मनाया जाता है। <ul style="list-style-type: none"> इस दिन को भाषा शहीद दविस के रूप में नामित किया गया था।
13 जुलाई	<ul style="list-style-type: none"> जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह के शासन के खिलाफ प्रदर्शन करते समय मारे गए लोगों को याद करने के लिये कश्मीर 13 जुलाई को शहीद दविस के रूप में मनाता है।
17 नवंबर	<ul style="list-style-type: none"> ओडिशा इस दिन को प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय को उनकी पुण्यतिथि पर याद करने के लिये मनाता है।
19 नवंबर	<ul style="list-style-type: none"> रानी लक्ष्मीबाई की जयंती को झांसी के लोग शहीद दविस के रूप में मनाते हैं। <ul style="list-style-type: none"> यह दिन 1857 के विद्रोह में मारे गए सभी लोगों के योगदान के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
24 नवंबर	<ul style="list-style-type: none"> सखि समुदाय द्वारा इसे शहीद दविस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि यह नौवें सखि गुरु तेग बहादुर की पुण्यतिथि है। उन्होंने गैर-मुसलमानों के जबरन धर्मांतरण का विरोध किया और

स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स

केल्प वनों में गरिावट

हाल के एक अध्ययन से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण केल्प वनों में कमी आ रही है।



अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष:

- एकलोनिया रेडिएटा (*Ecklonia radiata*) जो कदिकषणी गोलार्द्ध की एक प्रमुख केल्प प्रजाति है, जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील पाई गई है विशेष रूप से भूमध्य रेखा के निकटवर्ती क्षेत्रों में।
- तापमान में वृद्धि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तटरेखा के आस-पास इन प्रजातियों की आबादी में गरिावट का कारण बन रही है तथा भविष्य में वैश्विक स्तर पर इसमें और अधिक गरिावट आने की संभावना है।
- इनका स्वस्थाने (In situ) संरक्षण संभव नहीं हो सकता है, लेकिन भविष्य में पुनर्बहाली (Restoration), संकरण (Hybridization) या अनुकूलन (Adaptation) रणनीतियों में उपयोग हेतु कल्चर बैंकों में बाह्य स्थाने (Ex situ) संरक्षण के माध्यम से इनकी अनूठी आनुवंशिक विविधता को संरक्षित किया जा सकता है।

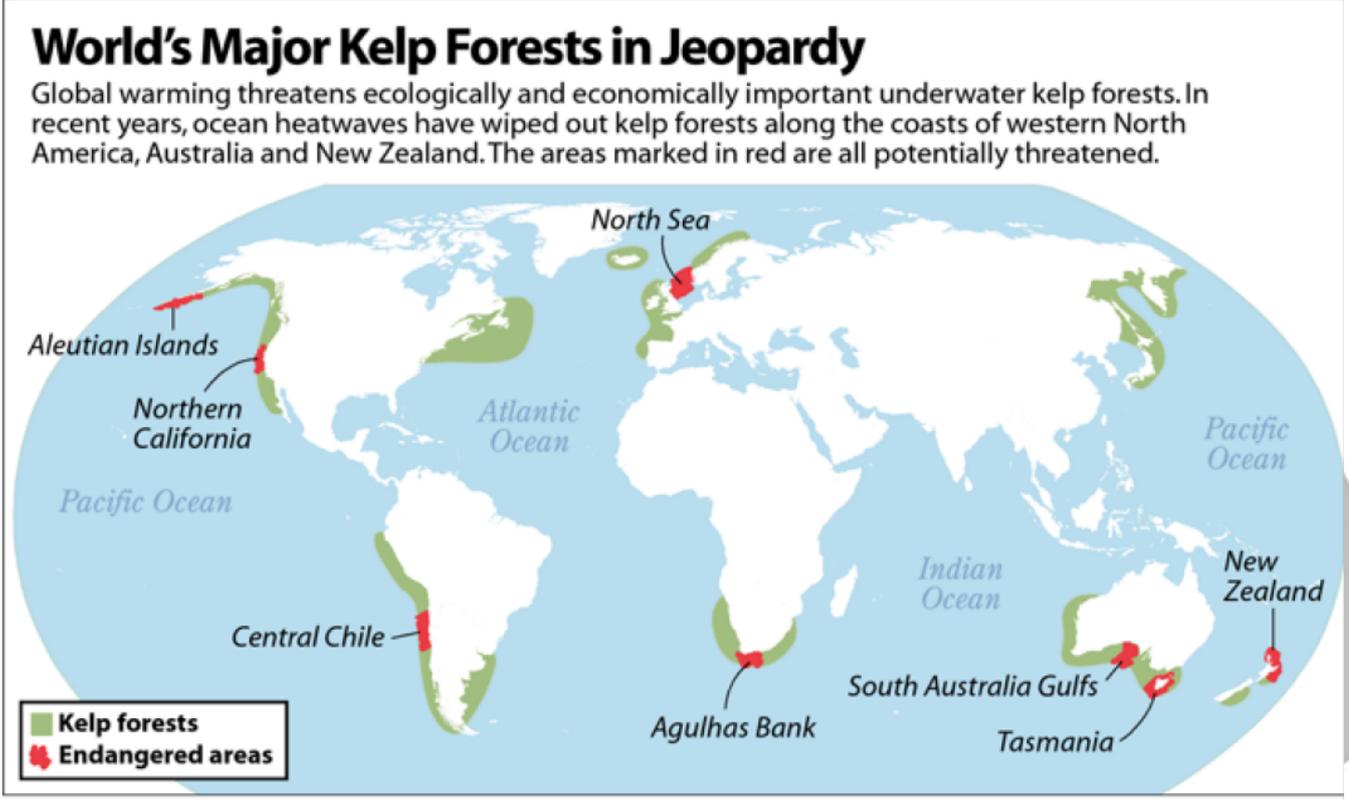
केल्प वन:

परिचय:

- केल्प वन कई अलग-अलग प्रजातियों के सघन विकास से उथले जल क्षेत्र में निर्मित जल के नीचे के पारस्थितिक तंत्र हैं।
- केल्प बड़े भूरे रंग के शैवाल होते हैं जो तट के निकट ठंडे, अपेक्षाकृत उथले जल में पाए जाते हैं।
- वे समुद्र तल से संबंधित होते हैं और अंततः जल की सतह तक बढ़ते हैं और ऊर्जा उत्पन्न करने के लिये सूर्य के प्रकाश पर निर्भर होते हैं, केल्प वन हमेशा तटीय रेखा में पाए जाते हैं जिनमें उथले, अपेक्षाकृत स्वच्छ जल की आवश्यकता होती है।
- वे अकशरीकीय, मछलियों और अन्य शैवाल की सैकड़ों प्रजातियों को जल के अंदर आवास प्रदान करते हैं तथा उनका उच्च पारस्थितिक और आर्थिक मूल्य है।

महत्त्व:

- यह **वभिन्न प्रकार के समुद्री जीवों के लिये** एक उचित भोजन स्रोत के रूप में कार्य करता है। तटीय अकशेरुकीय में पाए जाने वाले **60% तक कार्बन के उत्पादन** के लिये केल्वस ज़म्मेदार हैं।
- विविध अकशेरुकीय और मछली पारस्थितिकी तंत्र के रूप में वे **पक्षियों के खुराक हेतु एक आवास के रूप में काम करते हैं**।
- यह तटीय पारस्थितिकी में **कार्बन उत्सर्जित करता है, जिससे इसकी उत्पादकता बढ़ती है**। केल्व द्वारा प्राथमिक उत्पादन के माध्यम से नए बायोमास, अपरद (Detritus) और अन्य पदार्थों का उत्पादन किया जाता है।
- **प्रमुख केल्व वनों का वैश्विक वितरण:**



[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

भारत पर्यटन 2023

भारत सरकार [गणतंत्र दिवस](#) समारोह के हिससे के रूप में 26-31 जनवरी, 2023 तक **छह दिवसीय भव्य कार्यक्रम "भारत पर्यटन"** का आयोजन कर रही है।

- भारत पर्यटन की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी और वर्ष 2020 तक यह लाल कल्ले के सामने ज्ञान पथ पर प्रतर्विष आयोजित किया जाता रहा है। वर्ष **2021 में यह वर्चुअली** आयोजित किया गया था।

भारत पर्यटन:

- पर्यटन मंत्रालय को इसका नोडल मंत्रालय बनाया गया है।
 - इस कार्यक्रम में एक भोजन उत्सव/ फूड फेस्टिवल, हस्तकला मेला, लोक और जनजातीय नृत्य प्रदर्शन, सांस्कृतिक मंडली प्रदर्शन, गणतंत्र दिवस झाँकी का प्रदर्शन तथा रोशनी में डूबा लाल कल्ला आदि शामिल हैं।
- इस कार्यक्रम के दौरान देखो अपना देश, एक भारत श्रेष्ठ भारत, G20 और LIFE मशिन की ब्रांडिंग एवं प्रचार-प्रसार किया जाएगा।
- यह कार्यक्रम भारत की विविधता में एकता का जश्न मनाने और अमृत काल के अगले 25 वर्षों में भारत को सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिकता एवं वरिसत का केंद्र बनाने का एक तरीका है।
- यह आयोजन आदर्श वाक्य **वोकल फॉर लोकल** को भी बढ़ावा दे रहा है क्योंकि देश भर के कई कारीगर भी इसमें भाग ले रहे हैं।

नोट:

- **देखो अपना देश: पर्यटन मंत्रालय** ने देश की समृद्ध वरिष्ठ और संस्कृति के बारे में नागरिकों में जागरूकता उत्पन्न करने और नागरिकों को देश के भीतर पर्यटन हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जनवरी 2020 में 'देखो अपना देश' पहल शुरू की।
- **एक भारत श्रेष्ठ भारत:** इसे वर्ष 2015 में विभिन्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिये लॉन्च किया गया था ताकि विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच आपसी समझ एवं बंधुत्व को बढ़ाया जा सके, जिससे भारत की एकता तथा अखंडता को मजबूत किया जा सके।
- **G20:** भारत ने [G20 की अध्यक्षता](#) का पदभार ग्रहण कर लिया है।
 - **G20 का गठन वर्ष 1999 में 1990 के दशक के उत्तरार्ध के वित्तीय संकट** की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से **पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया** को प्रभावित किया था। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल करके वैश्विक वित्तीय स्थिरता को सुनिश्चित करना है।
- **LiFE:** LiFE का विचार भारत द्वारा 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के [26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन \(COP26\)](#) के दौरान पेश किया गया था।
 - यह विचार पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली को बढ़ावा देता है जो 'बिना सोचे-समझे और व्यर्थ उपभोग' के बजाय 'सचेत एवं जान-बूझकर उपयोग' पर केंद्रित है।

स्रोत: पी.आई.बी.

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 30 जनवरी, 2023

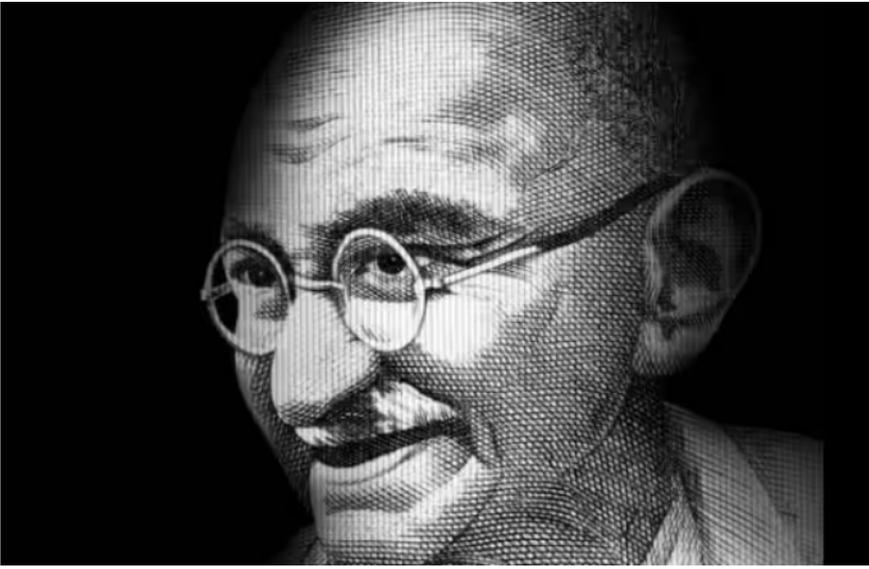
खेलो इंडिया युवा खेल 2022

'खेलो इंडिया युवा खेल 2022' के पाँचवें संस्करण का शुभारंभ 30 जनवरी को मध्य प्रदेश में भोपाल के तात्या टोपे नगर स्टेडियम में किया जाएगा। मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन समारोह की भव्य तैयारी की गई है। तात्या टोपे नगर स्टेडियम के मुख्य ग्राउंड पर लगभग 100 मीटर लंबा स्टेज बनाया गया है, जहाँ मध्य प्रदेश की संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों को दर्शाया गया है। इसमें **मदा घाट, खजुराहो मंदिर, भीम-बेटका, महाकाल महालोक, साँची स्तूप, ओरछा के मंदिर, भेड़ाघाट एवं ग्वालियर फोर्ट** बनाया गया है। इसके अतिरिक्त अभलिपिसा पांडा द्वारा 'हर हर शंभु' और नटराज डांस ग्रुप की प्रस्तुति, प्रसि डांस ग्रुप द्वारा **जी-20 के "वसुधैव कुटुम्बकम्"** पर शानदार डांस प्रस्तुति होगी। इन खेलों की **27 खेल स्पर्धाओं** में ढाई सौ से अधिक स्वरण पदकों के लिये खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा का हिसा होंगे। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 **मैजबान मध्य प्रदेश के 470 खिलाड़ी** भाग ले रहे हैं।

अंडर-19 T20 विश्व कप

भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम ने 29 जनवरी, 2023 को नया इतिहास रच दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम, जिसके नेतृत्व की बागडोर शौफाली वर्मा के हाथ में थी, **ICC अंडर-19 T20 वर्ल्ड कप की पहली चैंपियन बनी**। यह जीत इसलिये महत्वपूर्ण है क्योंकि **ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतीय टीम ने विश्व कप खिताब जीता है**। बीते समय में सीनियर भारतीय महिला टीम T20 और 50 ओवर वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुँची थी, परंतु खिताब जीतने में असफल रही थी। ऐसे में जूनियर टीम की यह उपलब्धि वास्तव में काफी अहम है। **36 गेंदें शेष रहते हुए भारतीय टीम ने फाइनल में इंग्लैंड की महिला टीम को 7 विकेट से शक्ति दी**। इंग्लैंड की टीम ने पोचेफ़स्ट्रूम में खेले गए फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 17.1 ओवर में 68 रन बनाए **इसके जवाब में भारत ने 14 ओवर में मात्र तीन विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी है।

शहीद दविस



प्रत्येक वर्ष भारत में 30 जनवरी को शहीद दिवस मनाया जाता है। इस दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री तथा तीनों सेनाओं के प्रमुख ने राजघाट स्थिति गांधीजी की समाधिपर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत को वर्ष 1947 में स्वतंत्रता हासिल हुई, लेकिन 30 जनवरी, 1948 के दिने नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद से भारत में इस दिने को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। इस दिने महान स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत को याद किया जाता है। महात्मा गांधी आज दुनियाभर में अहिंसा के प्रतीक माने जाते हैं। उनका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को ब्रिटिश भारत की बॉम्बे प्रेसीडेंसी के पोरबंदर में हुआ था। उन्हें अनाधिकारिक रूप से "राष्ट्रपति" भी कहा जाता है। उन्होंने लन्दन में कानून की पढ़ाई की थी, तत्पश्चात् वे भारत लौटे, बाद में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में एक भारतीय फर्म में कार्य किया। गांधीजी वर्ष 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे और वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए। महात्मा गांधी ने अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया था।

स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में रिकॉर्ड वैश्विक निवेश

ब्लूमबर्ग NEF के अनुसार, इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब विश्व भर में कम-कार्बन वाले ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में किया गया निवेश जीवाश्म ईंधन पर खर्च किये गए धन के बराबर रहा। ब्लूमबर्ग NEF एक वैश्विक रणनीतिक अनुसंधान सेवा प्रदाता है। वर्ष 2022 में स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी में निवेश की राशि 1.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर थी जो कि वर्ष 2021 से 31% (261 बिलियन अमेरिकी डॉलर) अधिक थी। हालाँकि जीवाश्म ईंधन में भी निवेश वर्ष 2021 के स्तर से 214 बिलियन अमेरिकी डॉलर अधिक था। ऊर्जा संक्रमण में ट्रिलियन-डॉलर के निवेश के अंतर्गत नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत (सौर, पवन, नाभिकीय), भंडारण, चार्जिंग अवसंरचना, हाइड्रोजन उत्पादन, कार्बन संकलन (उपयोग और भंडारण) तथा प्रौद्योगिकी जैसे छोटे पैमाने पर सौर, ताप पंप एवं शून्य-उत्सर्जन वाहन शामिल हैं। चीन अभी भी नमिन-कार्बन प्रौद्योगिकियों का अग्रणी निर्माता है। इस उपलब्धि ने ट्रिलियन-डॉलर के आधे से अधिक यानी 546 बिलियन अमेरिकी डॉलर निवेश को आकर्षित किया, इसके बावजूद वैश्विक संघ ने 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर और अमेरिका ने 141 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया।

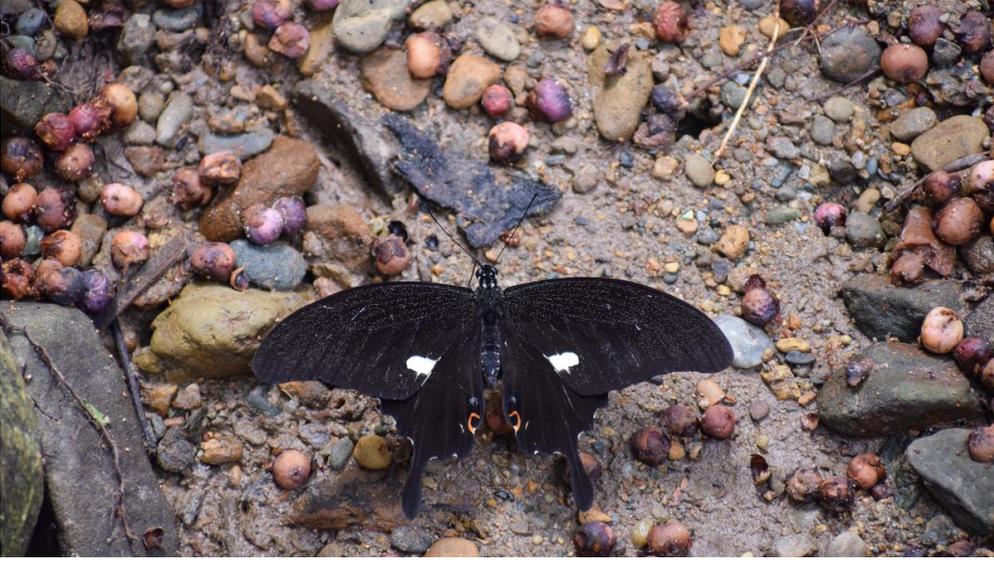
और पढ़ें... [हरति ऊर्जा संक्रमण](#)

'अमृत उद्यान'

आज़ादी के अमृत महोत्सव की थीम को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने हाल ही में राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन का नाम बदलकर 'अमृत उद्यान' कर दिया है। मुगल गार्डन अथवा अब, अमृत उद्यान, जम्मू और कश्मीर के मुगल गार्डन, ताजमहल के आसपास के बगीचों तथा भारत एवं फारस के लघु चित्रों से प्रेरित है। वर्ष 1917 में बागबानी के नदिशक विलियम मस्टो के सहयोग से सर एडवनि लुटिस द्वारा मुगल गार्डन के डिज़ाइन को अंतिम रूप दिया गया था। इन उद्यानों को आधिकारिक तौर पर मुगल गार्डन का नाम नहीं दिया गया था, बल्कि यह वास्तुकला की शैली जैसे- फारसी उद्यानों, विशेष रूप से चारबाग शैली से प्रभावित होने के कारण मुगल गार्डन के नाम से प्रसिद्ध हो गया। अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत और पाकिस्तान में कई मुगल उद्यान हैं। मुगल बागों/उद्यानों की काफी सराहना करने के लिये जाने जाते थे, 1773 में बाबर के पसंदीदा प्रकार के फारसी चारबाग शैली के बगीचे का उल्लेख है, जो इस प्रकार था मानो यह पृथ्वी पर एक कल्पना लोक हो, मानो जननत जैसा।

और पढ़ें... [मुगल वास्तुकला, आज़ादी का अमृत महोत्सव](#)

भारत की नवीनतम ततिली



म्याँमारऔर दक्षिणी चीन से वयितनाम तक अपनी पहले से ज्ञात श्रेणियों में से वल्लिप्त होने वाली **स्वैलटेल ततिली** की उपस्थिति भारत में पहली बार दर्ज की गई है। यह "बेहद दुर्लभ" **नोबेल हेलेन** (पैपलियो नोबेली) ततिली है, जिसकी पहचान **नामदफा राष्ट्रीय उद्यान** (अरुणाचल प्रदेश) में तीन स्थानों पर की गई है। नोबेल हेलेन थाईलैंड, लाओस और कंबोडिया में भी पाई जाती है। ततिलियों को जैव विविधता और प्रमुख पारस्थितिकी तंत्र कार्यों के महत्त्वपूर्ण संकेतक के रूप में माना जाता है।

नोट- अरुणाचल प्रदेश ने ततिली '**कैसर-ए-हदि**' को **राज्य ततिली** के रूप में मंजूरी दी है।

और पढ़ें... **नामदफा राष्ट्रीय उद्यान**, **वाइट टफ्टेड रॉयल बटरफ्लाई** (White Tufted Royal Butterfly) (भारत में पाई जाने वाली एक और दुर्लभ ततिली)

ध्रुवीय भँवर/पोलर वोरटेक्स

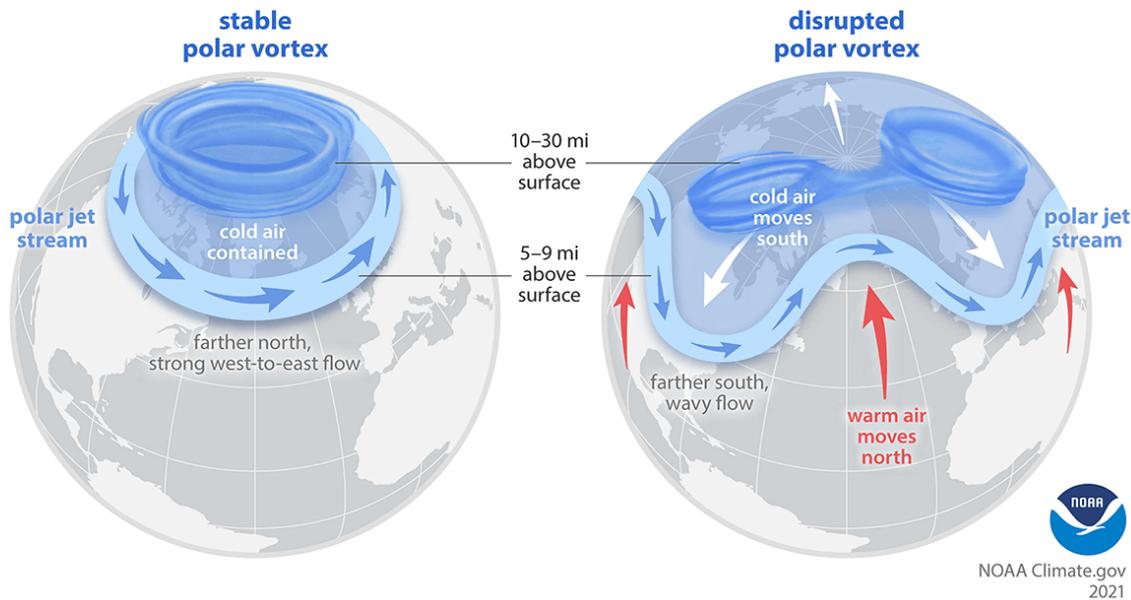
वैज्ञानिकों के अनुसार, एशिया में जो बेहद ठंड की स्थिति देखी जा रही है वह काफी हद तक **ध्रुवीय भँवर/पोलर वोरटेक्स** का परिणाम है। यह शब्द **ठंडी वायु के वसितार** को संदर्भित करता है जो **आमतौर पर आर्कटिक के चारों ओर प्रवाहित होती** है लेकिन कभी-कभी उत्तरी ध्रुव से दक्षिण की ओर खसिक जाती है। 'वोरटेक्स' शब्द वायु के **प्रतपिरवाह (Counter-Clockwise)** को संदर्भित करता है जो ठंडी वायु को ध्रुवों के नजिक रखने में मदद करता है। यह **ध्रुवों पर हमेशा मौजूद होता है** तथा गर्मियों में कमज़ोर पड़ता है, जबकि सर्दियों में **प्रबल हो जाता है**। हालाँकि इस बात पर सर्वसम्मत की कमी है, यह माना जाता है कि एक ग्रह (पृथ्वी) के गर्म होने के साथ ध्रुवीय भँवर में **परिवर्तन की बारंबारता और अधिक तथा सुस्पष्ट होने की संभावना है**।

Understanding the polar vortex

The Arctic polar vortex is a strong band of winds in the stratosphere, surrounding the North Pole 10–30 miles above the surface.

The polar vortex is far above and typically does not interact with the polar jet stream, the flow of winds in the troposphere 5–9 miles above the surface. But when the polar vortex is especially strong and stable, the jet stream stays farther north and has fewer “kinks.” This keeps cold air contained over the Arctic and the mid-latitudes warmer than usual.

Every other year or so, the Arctic polar vortex dramatically weakens. The vortex can be pushed off the pole or split into two. Sometimes the polar jet stream mirrors this stratospheric upheaval, becoming weaker or wavy. At the surface, cold air is pushed southward to the mid-latitudes, and warm air is drawn up into the Arctic.



[और पढ़ें...](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/30-01-2023/print>